☎ : 0141-2622055

स्वयंसेवी शिक्षण संस्था संघ, राजस्थान

कार्यालय : वैदिक कन्या महाविद्यालय, राजापार्क, जयपुर – 302004.

पत्रांक

दिनांक 06 / 01 / 14

माननीय शिक्षा मंत्री
राजस्थान सरकार,
जयपुर

विषय : **माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मूल्यांकन पद्धति सी बी एस ई के अनूरुप करने हेतु।**

महोदय,

विषयान्तर्गत लेख है कि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में पाठ्यक्रम सी बी एस ई के अनुरुप होने के बावजूद मुल्यांकन पद्धति सी बी एस ई से अलग है जिस कारण विद्यार्थियों के अंक सी बी एस ई की तुलना में बहुत कम आते है। उच्च अध्ययन हेतु महाविद्यालयों में प्रवेश में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बन्धित 30 प्रतिशत विद्यार्थियों के ही प्रवेश होते है और विद्यार्थी अच्छे महाविद्यालयों में प्रवेश से वंचित रह जाते है।

अतः आपसे निवेदन है कि **माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मूल्यांकन पद्धति सी बी एस ई के अनूरुप करते हुए** विद्यार्थियों को लाभान्वित करें।

सधन्यवाद!

किशन मित्तल

(किशन मित्तल)
मंत्री
9829523349

सीबीएसई से पिछड़ रहा स्टेट बोर्ड, जांचेगी कमेटी

अब होगी समीक्षा मूल्यांकन पद्धति में कमियों को ढूंढ़कर उन्हें सुधारने के सुझावों के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई

भास्कर न्यूज | जयपुर

सीबीएसई से मुकाबले के लिए राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मूल्यांकन पद्धति की समीक्षा के लिए राज्य सरकार ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी बनाई है। कमेटी एक माह में अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगी।

इस कमेटी में प्रमुख शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक और राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष को शामिल किया गया। यह कमेटी इस बात का अध्ययन करेगी कि बोर्ड की मूल्यांकन प्रक्रिया में कहां पर विसंगतियां है, जिन्हें दूर करके राजस्थान बोर्ड के छात्रों को सीबीएसई सहित अन्य बोर्ड के छात्रों के अंक प्रतिशत के बराबर लाया जा सके, ताकि रोजगार व उच्च शिक्षा में प्रवेश के समय अन्य बोर्डों के मुकाबले राजस्थान बोर्ड के विद्यार्थी पिछड़ नहीं सकें।

18 लाख विद्यार्थियों को फायदा

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से हर साल 18 लाख विद्यार्थी परीक्षा देते हैं। मूल्यांकन पैटर्न अगर बदलता है तो इन विद्यार्थियों का प्राप्तांक प्रतिशत बढ़ेगा। इसका सीधा फायदा उन्हें उच्च कक्षाओं में प्रवेश के दौरान मिलेगा। राजस्थान में सीबीएसई से करीब एक लाख छात्र ही जुड़े हैं।

माना जा रहा है कि सत्र 2014-15 से बोर्ड की मूल्यांकन पद्धति बदल सकती है। बोर्ड के विद्यार्थियों का भी सीबीएसई की तरह प्राप्तांक प्रतिशत बढ़ सकता है। शिक्षामंत्री कालीचरण सराफ ने बताया कि उन्हें शिकायत मिली थी कि राजस्थान बोर्ड के विद्यार्थी सीबीएसई के मुकाबले पिछड़ रहे हैं। इसका प्रमुख कारण मूल्यांकन का तरीका है।

राज. बोर्ड के विद्यार्थियों को कॉलेज में धक्के, इसलिए समीक्षा जरूरी

समस्या : राजस्थान बोर्ड से हर वर्ष 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थी प्रमुख शिक्षण संस्थानों और प्रमुख कॉलेजों में एडमिशन से वंचित हो जाते हैं, क्योंकि सीबीएसई की मेरिट और बोर्ड की मेरिट में करीब दस प्रतिशत अंतर आ रहा है, जबकि दोनों का पाठ्यक्रम समान है। खुद बोर्ड के अधिकारी मान रहे हैं कि राजस्थान बोर्ड से मूल्यांकन के दौरान जिस छात्र के 65 प्रतिशत अंक आ रहे हैं। अगर उसी छात्र की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन सीबीएसई बोर्ड पैटर्न पर हो तो छात्र को 75 से 80 प्रतिशत के बीच अंक आ जाएंगे।

रिजल्ट की विसंगति दूर करने की कवायद

समाधान : इस साल राजस्थान विश्वविद्यालय में प्रवेश के दौरान सीबीएसई की विद्यार्थियों ने बाजी मारी थी। जुलाई में महारानी, महाराजा और कॉमर्स कॉलेज में 70 फीसदी सीटों पर सीबीएसई के विद्यार्थियों का प्रवेश हुआ था, जबकि राजस्थान बोर्ड के विद्यार्थियों को केवल 30 फीसदी सीटें ही नसीब हो सकी थीं। इस विसंगति को दूर करने के लिए यह कमेटी बनाई गई है। [illegible] शिक्षक संघ [illegible] शिक्षा [illegible] ने बताया कि वे [illegible] से राज्य सरकार से इस विसंगति को दूर करने की मांग कर रहे थे।

राजस्थान नर्सिंग काउन्सिल, जयपुर
(राजस्थान सरकार)
बी-39, [illegible], फोन 0141-2222533, 2222099
Date 06/01/14
F.No. RNC@ 2014/1509

समरसता बढ़ानी है तो मानव धर्म निभाना होगा : इंद्रेश

भास्कर न्यूज | जयपुर

के मामलों में कहा कि दंगों पर भी ...

...टॉपर को बराबर माना गया है। उदाहरण के तौर पर, सीबीएसई कॉमर्स के टॉपर को 98 फीसदी और राज्य बोर्ड के टॉपर को 94 फीसदी अंक मिले हैं तो दोनों को समान माना गया। प्रवेश सूची बनाने के लिए इसी क्रम को आगे ...

... फार्मूले को राजस्थान विवि ने हूबहू लागू किया है। फार्मूला लागू करने के लिए विवि में गठित कमेटी के विशेषज्ञ वरिष्ठ सांख्यिकी विज्ञानी प्रो. जगदीश प्रसाद ने इसे इस तरह समझाया।

ये है प्रवेश पर्सेन्टाइल का फार्मूला

विद्यार्थी का मूल अंक प्रतिशत - बोर्ड के शीर्ष दो प्रतिशत का निचला प्रतिशत
/
बोर्ड के सर्वोच्च प्रतिशत - निचला प्रतिशत

इस भागफल को बोर्ड की पर्सेन्टाइल बैंडविड्थ (उच्च और निम्न प्रतिशत के बीच का अंतर) से गुणा करेंगे और गुणनफल को बैंड की निचली पर्सेन्टाइल से जोड़ देंगे।

शीर्ष प्रतिशत बना आधार: सीबीएसई के शीर्ष 2 प्रतिशत और राज्य बोर्ड के शीर्ष दो प्रतिशत वाले छात्रों के अंक प्रतिशत सामने रखे गए। माना कि राज्य बोर्ड के शीर्ष 2 प्रतिशत 86 से 88 और सीबीएसई के शीर्ष 2 प्रतिशत 96 से 97 के बीच हैं। इन शीर्ष 2 प्रतिशत को 100 से 98 पर्सेन्टाइल माना गया।

आखिर कैसे निकालेंगे पर्सेन्टाइल

अगर **सीबीएसई बोर्ड** से 12वीं पास विजय के 92 फीसदी अंक आए हैं और टॉपर के 97 फीसदी अंक है तो विजय का पर्सेन्टाइल इस तरह निकाला जाएगा।

विजय का अंक प्रतिशत (92)- शीर्ष दो प्रतिशत का निचला प्रतिशत (96)
/
बोर्ड का सर्वोच्च प्रतिशत (97) - शीर्ष दो प्रतिशत का निचला प्रतिशत (96)

= -2

अब -2 से उच्च और निम्न प्रतिशत के बीच का अंतर यानी 2 से गुणा करेंगे और इसे बैंड की निचली पर्सेन्टाइल यानी 98 से जोड़ देंगे। इस तरह विजय का पर्सेन्टाइल 94 आएगा।

अगर **राज्य बोर्ड** से 12वीं पास अजय के 87 फीसदी अंक आए हैं और टॉपर के 88 फीसदी अंक है तो अजय का पर्सेन्टाइल इस तरह निकाला जाएगा।

अजय का अंक प्रतिशत (87)- शीर्ष दो प्रतिशत का निचला प्रतिशत (86)
/
बोर्ड का सर्वोच्च प्रतिशत (88) - शीर्ष दो प्रतिशत का निचला प्रतिशत (86)

= 1

अब 1 से उच्च और निम्न प्रतिशत के बीच का अंतर यानी 2 से गुणा करेंगे और इसे बैंड की निचली पर्सेन्टाइल यानी 98 से जोड़ देंगे। इस तरह अजय का पर्सेन्टाइल 99 आएगा।